डॉ. विश्वनाथ ज्योतिषाचार्य
2F, Street, 11, जोन 1
भिलाई छत्तीसगढ़ (दुर्ग)
9827992428

ज्योतिष विज्ञान

ज्योतिष विज्ञान क्या है? मानव इसमें अधिक अभिरुचि क्यों लेता है? इसलिए कि वह देखता है कि प्रकृति में निहित शक्ति उसके जीवन पर प्रभाव डालता है, यही कारण है कि एक व्यक्ति धनी परिवार में जन्म लेता है, दूसरा झोपड़ी में रहने वाले के घर जन्म लेता है, एक दुखी दूसरा सुखी यह सब देखने से ऐसा लगता है कि प्रकृति में कुछ ऐसी शक्ति या ऊर्जा है जो इस प्रकार का प्रभाव ~~रख~~ रखती है यहाँ तक कि वेदों में भी ज्योतिष शास्त्र को एक प्रमुख अंग माना है जिसको वेद स्वरूप नेत्र कहा गया है।

ज्योतिष को पूर्ण विज्ञान भी माना जाय तो गलत नहीं होगा, यह दो शब्दों ज्योति + अक्ष से मिलकर बना है। जिसका अर्थ होता है ज्योति पिंड, जो ज्ञान इन ज्योतिपिंडों के जड़-चेतन को प्रभावित करता है सूर्य सिद्धान्त के अध्ययन से यह अपने आप में स्वयं एक विज्ञान हो जाता है, सूर्य सिद्धान्त के अनुसार जिसमें न केवल पृथ्वी बल्कि सौरमंडल के ग्रहों का नियमन करने वाली गतियां, उनके प्रभाव आदि का विस्तार वैज्ञानिक आधार पर पेश किया गया है। यह एक प्रकाश है यानी,

Astrology is a ~~Knowledge~~ Knowledge of the Star (Astro) and the Knowledge by the help of the Star. यह एक प्रकार से Astronomy की

आता है। यह एक दैवीय प्रकाश है जिसको हम अपनी आंख को बन्द करके अन्तःरूपी प्रकाश (दिव्य) को देखा जा सकता है यह नक्षत्र, तारे, ग्रहों, पिंडों के माध्यम से मानव के समस्त व्यवहार से परिचित कराता है तथा इस दैवीय प्रकाश से मानव के अन्दर छिपे सभी रहस्यों, गुणों, क्रियाशीलता को सामने लाता है। जिसको साधारण शब्दों में ज्योतिष कहा जाता है और जिसके माध्यम से आता है वह विज्ञान है।

जिसके प्रभाव से समस्त ब्रह्मांड, चराचर जगत, वनस्पति, जीव-जन्तु पूर्ण रूप से परिचित हैं।

आचार्य रजनीश के अनुसार ज्योतिष सिर्फ इतनी ही बात नहीं है कि ग्रह नक्षत्र क्या कहते हैं? इनकी गणना क्या कहती है। यह ज्योतिष का सिर्फ एक डाइमेंशन है। एक आयाम है। फिर भविष्य जानने के और आयाम है। मनुष्य के हाथ पर खींची हुयी रेखाएं हैं, मनुष्य के माथे पर खींची हुयी रेखाएं हैं, मनुष्य के पैर पर खींची रेखाएं पर यह बहुत ऊपर की बात है, मनुष्य के शरीर में छीपे हुए चक्र हैं उन सब चक्रों का अलग-अलग प्रभाव तथा संवेदना है। उन सब चक्रों की प्रतिपल अलग-अलग गति है फ्रीक्वेंसी है, उनकी परख है, मनुष्य के पास छिपा हुआ अतीत का पूरा संस्कार बीज है।

ज्योतिष का अर्थ होता है प्रकाश

प्रायः समस्त भारतीय विज्ञान का लक्ष्य एकमात्र

अपनी आत्मा का विकास कर उसे परमात्मा में मिला देना या तत्तुल्य बना देना है। दर्शन या विज्ञान सभी का ध्येय विश्व की गुढ़ रहस्यों का पता लगाना अथवा सुलझाना है, ज्योतिष भी विज्ञान होने के कारण इस संसार अथवा पिंडो के अद्भुत रहस्यों को सामने लाने का प्रयत्न करता है। संसार के समस्त शास्त्र जगत के एक-एक भाग अंग का निरूपण करता है पर ज्योतिष शास्त्र वाह्य तथा आंतरिक रहस्यों से सम्बंध रखते है इसलिए ज्योतिष शास्त्र अपने आप में स्वयं विज्ञान है।